।। श्री गणेशाय नमः ।।

हिन्दी पाक्षिक Fort Nightly

Baat Hindustan Ki

बात हिन्दुस्तान की

Baat Hindustan Ki

R N I No. : WBHIN / 2021 / 84049

• विक्रम संवत 2081 मार्गशीर्ष प्रतिपदा, 16-30 नवम्बर 2024 (16-30 Nov. 2024), • वर्ष 4 (Year-4), • अंक 13 • पृष्ठ 4 (Page-4) • मूल्य रु.2 (Price 2/-)

हिंदुओं पर अत्याचार, बांग्लादेश छोड़ भागने की चाहत... पर बॉर्डर पर बीएसएफ की दुविधा

- चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी को लेकर बांग्लादेश में बवाल
- भारत-बांग्लादेश सीमा की ओर बढ़ रहे डरे हिंदू अल्पसंख्यक
- बीएसएफ ने कहा- अल्पसंख्यकों के प्रवेश को लेकर भारी दबाव

नई दिल्ली/कोलकाता : बांग्लादेश में चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी को लेकर बवाल मचा हुआ है। इसके बाद अल्पसंख्यक समुदाय के कुछ लोगों को अत्याचारों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में ये लोग भारत में प्रवेश करने के लिए भारत-बांग्लादेश सीमा की ओर बढ़ रहे हैं। बीएसएफ के आईजी (उत्तर बंगाल) सुर्यकांत शर्मा ने का कहना है कि भारत-बांग्लादेश सीमा पर अल्पसंख्यक समुदायों का दबाव है क्योंकि वे भारत में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे हैं। शर्मा ने कहा कि हम अंतरराष्ट्रीय सीमा के माध्यम से किसी भी घुसपैठ की अनुमति नहीं देंगे। बीएसएफ केंद्र सरकार की नीतियों के अनुसार पेशेवर रूप से उन्हें रोक रही है। उन्होंने कहा कि हम आधुनिक कैमरों और टेक्नोलॉजी के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा पर निगरानी रख रहे हैं। बीएसएफ के आईजी ने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर कड़ी चौकसी के बारे में बात की।

बॉर्डर पर अल्पसंख्यक समुदाय का दबाव -उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है और अतिरिक्त जवानों को भी तैनात किया गया है। शर्मा ने कहा कि हम अंतरराष्ट्रीय सीमा पर भारी सुरक्षा उपाय कर रहे हैं। पिछले अगस्त से, भारत के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा पर अल्पसंख्यक समुदाय का दबाव रहा है। हमने बांग्लादेश के बॉर्डर गार्ड के साथ चर्चा और समन्वय के माध्यम से उन मुद्दों को हल किया है।

बीएसएफ के आईजी (उत्तर बंगाल) ने कहा कि फांसीदेवा और फूलबारी इलाकों में कुछ इलाकों में बाड़ नहीं लगाई गई थी। उन्हें अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। उत्तर बंगाल के आठ जिलों में, भारत-बांग्लादेश सीमा के लगभग 1,937 किलोमीटर क्षेत्र पर बीएसएफ की निगरानी है। आईजी ने कहा, 'हम निगरानी बढ़ाने के लिए थर्मल कैमरे, नाइट विजन कैमरे, ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती इलाकों में प्रवेश बिंदुओं पर बायोमेट्रिक मशीनें लगाई गई हैं।

इंसान की तबाही से मुस्लिम राज तक, डराने वाली है बाबा वेंगा की भविष्यवाणी

नई दिल्ली : दिसंबर की शुरुआत हो चुकी है और अब कुछ ही दिनों में नया साल दस्तक देने को तैयार है. लोग नए साल को सेलिब्रेट करने का प्लान बना रहे हैं. ऐसे में भविष्यवक्ता नए साल में होने वाली घटनाओं के बारे में पूर्वानुमान लगाते हुए भविष्यवाणियां करते हैं. साल के खत्म होते होते इनमें से कुछ भविष्यवाणियां गलत साबित होती हैं, तो कुछ लोगों की बिल्कुल सही होती हैं. साल 2025 को लेकर भी लोग अपनी-अपनी भविष्यवाणी करते हुए बता रहे हैं कि नव वर्ष कैसा होगा. ऐसे में बाबा वेंगा द्वारा की गई कुछ भविष्यवाणियां भी वायरल हो रही हैं. यूं तो बाबा वेंगा की मौत 28 साल पहले हो गई थी, लेकिन वह अपने किए गए भविष्यवाणी को लेकर अभी भी चर्चा में रहते हैं. 2025 और इसके बाद को लेकर की गई कुछ भविष्यवाणियां डराने वाली हैं. बाबा वेंगा के मुताबिक, साल 2025 से विश्वयुद्ध शुरू हो जाएगा. वहीं, धरती से इंसान के खात्मे और यूरोप में मुस्लिमों के शासन की बात भी की है.

बाबा वेंगा द्वारा की गई भविष्यवाणी के मुताबिक, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एक मजबूत वैश्विक नेता के रूप में उभरेंगे, साथ ही उन्होंने कहा है कि साल 2025 से तीसरे विश्व युद्ध की शुरुआत होगी. यूरोप में भी बड़ा संघर्ष छिड़ जाएगा, जिसकी चपेट में धीरे-धीरे पूरी दुनिया आ जाएगी. इसकी वजह से मानव जाति का जो विनाश शुरू होगा, वह चढ़ता ही जाएगा. उनके मुताबिक, साल 5079 में पृथ्वी से मानव जाति पूरी तरह से समाप्त हो जाएगी. बाबा वेंगा ने यह भी भविष्यवाणी की है कि 2043 में यूरोप पर पूरी तरह से मुसलमानों का राज हो जाएगा और 2076 में साम्यवाद (कम्युनिस्ट) विश्व स्तर पर फिर से उभरेगा. बाबा वेंगा की नोट्स में लिखी गई इन भविष्यवाणियों के बारे में लोग सोशल मीडिया पर भी खूब चर्चा कर रहे हैं.

बता दें कि बाबा वेंगा का जन्म साल 1911 में हुआ था. उनका असली नाम वेंगेलिया पांडेवा दिमित्रोवा था. कम उम्र में आंखों की रोशनी चली गई, लेकिन भविष्य की घटनाओं के बारे में भविष्यवाणी करने की अद्भुत शक्तियां आ गईं. वे दुनिया भर में होने वाले राजनीतिक परिवर्तन, प्राकृतिक आपदाएं, महामारी और कई अन्य चीजों के बारे में सालों पहले एक नोट में लिख चुके हैं, जो उनकी भविष्यवाणी के अनुसार ही हो रही हैं. बाबा वेंगा दूसरे विश्वयुद्ध, 2004 की सुनामी, सोवियत संघ के विघटन, अमेरिका में 11/11 अटैक, स्टालिन से लेकर जार बोरिस II के मौत की तारीख का ऐलान अपनी भविष्यवाणी में पहले ही कर दिए थे. ऐसे में साल 2025 के बाद होने वाली घटनाओं से जुड़ी बाबा वेंगा की भविष्यवाणियां डराने वाली हैं.

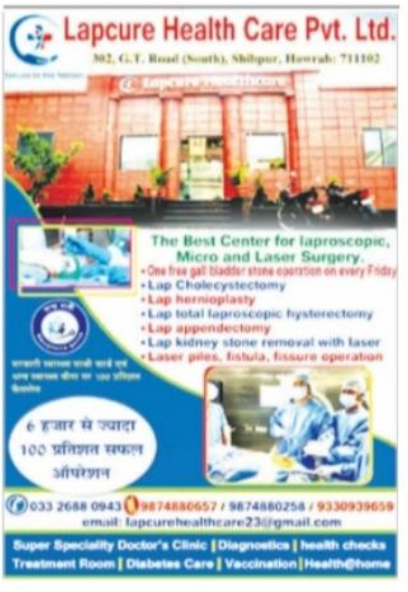

दक्षिण पूर्व रेलवे ने संतरागाछी, टाटानगर, रांची और चक्रधरपुर में चार अत्याधुनिक मशीनीकृत वॉश हाउस का निर्माण किया

हावड़ा : लंबी दूरी की ट्रेनों के यात्री अक्सर शिकायत करते हैं कि ट्रेन के अंदर चादरें, कंबल और तकिए के कवर गंदे दिये जाते हैं। या फिर ऊन चीज़ों से बदबू आती है. जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इस बार दक्षिण पूर्व रेलवे यात्रियों के लिए खुशखबरी लेकर आया है। रेल यात्रियों की लंबे समय से चली आ रही इस समस्या को हल करने के लिए दक्षिण पूर्व रेलवे ने संतरागाछी, टाटानगर, रांची और चक्रधरपुर में चार अत्याधुनिक मशीनीकृत वॉश हाउस का निर्माण किया है। उन लांड्री में चादरें, तकिए के कवर और कंबलों को रसायनों से साफ और सुखाने के बाद इस्त्री किया जाता है। फिर इसे पर्यावरण-अनुकूल पैकेजिंग के माध्यम से लंबी दूरी की ट्रेनों के एसी कोचों में आपूर्ति की जाती है। फिलहाल सभी तरह के एसी कोच के यात्रियों को बेडरोल के साथ कंबल, चादर और तकिया मिल रहा है। एसी कोच का तापमान 24 डिग्री रखा जाता है ताकि यात्रियों को चादर और कंबल में कोई असुविधा न हो।यहां तक कि आरएसी यात्रियों को भी इसी तरह की सुविधाएं दी जा रही हैं।

दक्षिण पूर्व रेलवे की एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि रेलवे कर्मचारी हर दिन लगभग 19 टन चादरें धोते हैं। फिर पैकेट को सील कर ट्रेन में यात्रियों को दे दिया जाता है. जहां पहले कंबलों को हर दो या तीन महीने में एक बार धोया जाता था, अब उन्हें हर 15 दिन में धोया जाता है और यात्रियों को उपयोग के लिए भेजा जाता है।

नेशनल स्क्वैश चैंपियन बनी बंगाल की बेटी आलिया कांकरिया

कोलकाता : कोलकाता में आयोजित सब जूनियर-जूनियर नेशनल स्क्वैश चैंपियनशिप 2024 में आलिया ने गर्ल्स अंडर 11 कैटेगरी में नेशनल चैंपियन का खिताब जीतकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया।आर पी गोयनका स्कूल में पढ़ रही 9 वर्षीय आलिया पश्चिम-बंगाल की पहली लड़की है जिसने इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में नेशनल टाइटल अपने नाम कर इतिहास रचने का काम किया।आलिया कांकरिया, सुविख्यात समाजसेवी श्री सरदारमल कांकरिया की परपोती एवं श्री ललित कांकरिया की पोती है।आलिया बताती है कि स्क्वैश खेल के प्रति उसका लगाव मात्र 5वर्ष की उम्र में शुरू हुआ,जब उसने अपने पिता सौरभ को और भाइयों को इस खेल को खेलते हुए देखा। कोविड महामारी के दौरान जब घर से बाहर निकलना संभव नहीं होता था,केवल परिवार के सदस्यों को एक दूसरे के साथ इंडोर खेलने की अनुमति थी तब आलिया ने अपने बड़े भाई अयान के साथ स्क्वैश खेलना शुरू किया और धीरे-धीरे स्क्वैश के प्रति उसका गहरा लगाव होता गया,परिणाम स्वरूप वह नेशनल चैंपियनशिप जीतने वाली अंडर-11 में बंगाल की पहली लड़की है।आलिया अपने माता-पिता को अपने प्रेरणास्रोत के रूप में स्वीकार करती हैं।आलिया नैशनल चैंपियंस बनने पर अपने सफलता का श्रेय अपने कोच संदीप यादव को देना चाहती है, जिन्होंने इस खेल के प्रति आलिया के समर्पण को देखकर कहा था कि वह एक दिन नेशनल चैंपियन बनेगी, कोच संदीप यादव की कठिन ट्रेनिंग तथा आलिया के जीतोड़ प्रयास ने उसके खेल को और निखारा एवं उसे और बेहतर बनाने में हर संभव उसकी मदद की। आलिया का मानना है कि उसकी यह यात्रा अभी शुरू हुई है और वह अपने खेल के प्रति इसी समर्पण और उत्साह के साथ और भी आगे बढ़ती रहेगी। माता-पिता और परिवार के सहयोग से वह एक दिन इस खेल के माध्यम से समस्त दुनिया में अपने भारत देश का नाम रौशन करना चाहती है।आलिया की इस उपलब्धि पर घर-परिवार,दोस्त रिश्तेदार सहित समाज में भी की लहर है।

शालीमार स्टेशन के नजदीक स्थित बालाजी मंदिर में पांच दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ

हावड़ा (वैधनाथ झा) : सौ साल से भी ज्यादा पुराना शालीमार बालाजी मंदिर दक्षिण भारतीय बालाजी मंदिर के नाम से प्रसिद्ध है ।सुभ लग्न के अवसर पर दक्षिण भारतीय बालाजी मंदिर में भगवान बालाजी का विवाह समारोह आयोजित किया जाता है। इसी तिथि को हावड़ा के शालीमार स्थित बालाजी मंदिर में भी भगवान बालाजी के विवाह समारोह का भी आयोजन काफी धूम धाम से मनाया जाता है।इस पूजा में भाग लेने के लिए हावड़ा और कोलकाता व आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में दक्षिण भारतीय लोगों का आन होता है।यहा 5 दिनो तक चलने वाले कार्यक्रमों में अलग-अलग दिन याह पूजा की जाती है। इसके बाद पांचवें दिन भंडारे का आयोजन किया जाता है जहां एक हजार से भी अधिक लोग भगवान बालाजी का प्रसाद ग्रहण करते हैं। आपको बता दें कि शालीमार के इस इलाके में बड़ी संख्या में दक्षिण भारतीय लोग रहते हैं और उन्होंने कई साल पहले अपने प्रिय भगवान बालाजी के मंदिर की स्थापना की थी।

मंदिर आज भी यहां स्थित है और हर साल की तरह इस साल भी विशेष पूजा का आयोजन किया जाता है इस दौरान मंदिर को रोशनी से सजाया जाता है और सुबह से रात तक यह क्षेत्र धार्मिक माहौल मय बना रहता है।शालीमार स्टेशन पर ट्रेन पकड़ने आए यात्रिय एक बार सिर झुकाकर भगवान को प्रणाम कर ट्रेन के लिए रवाना होते हैं। बी तारकेश्वर राव, मंदिर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष ने बताया कि दक्षिण भारतीय पद्धति के अनुसार यहां भगवान बालाजी की पूजा की जाती है। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम से छः विद्वान पुजारी यहां लाए जाते हैं।इस कार्यक्रम में क्षेत्र के निवासियों सहित दक्षिण भारतीय लोग भाग लेते हैं। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि सभी लोग स्वस्थ रहें और भगवान बालाजी सभी के मनोकामना को पूर्ण करें।

वित्त मंत्री ने 1,121 करोड़ रुपये के ऋण किया वितरित

मधुबनी : माननीया वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री, भारत सरकार श्रीमती निर्मला सीतारमण ने मधुबनी के झंझारपुर स्टेडियम में आयोजित क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम में जिले के 50,000 से अधिक लाभार्थियों के बीच करीब 1,121 करोड़ रुपये के ऋण वितरित किये। इससे पूर्व कार्यक्रम स्थल पर लाभार्थियों द्वारा प्रदर्शित विभिन्न स्टॉल्स का माननीय वित्त मंत्री जी के द्वारा निरीक्षण किया गया। उद्यमिता के प्रति नई पीढ़ी के निरंतर बढ़ते रुझान को देख कर माननीय मंत्री ने हार्दिक प्रसन्नता व्यक्त किया।

मधुबनी जिला स्थापना दिवस सह मधुबनी महोत्सव की धूम

मधुबनी ब्यूरो : 52 जिला स्थापना दिवस सह मधुबनी महोत्सव के अवसर पर कार्यक्रमों की धूम रही। जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा के नेतृत्व में वॉटसन स्कूल मैदान से प्रभातफेरी निकाली गई,जो थाना चौक,स्टेशन होते हुए वापस नगर भवन में समाप्त हुई। ढोल नगाड़ों की थाप पर जल ही जीवन है,जल है तो कल है,जल-जीवन-हरियाली,तभी होगी जीवन मे खुशहाली आदि जल संरक्षण के नारों से सुबह-सुबह पूरा मधुबनी शहर गुंज उठा। बच्चों में गजब का उत्साह देखने को मिल रहा था। लोग सुबह-सुबह अपने घरों की छतों से प्रतिभागियों का हौसला आफजाई करते दिखे। प्रभातफेरी कार्यक्रम के उपरांत महापुरुषों की मूर्तियों पर माल्यार्पण कार्यक्रम आयोजित हुई। रेलवे स्टेशन स्थित बापू की प्रतिमा, थाना चौक स्थित महान कवि कोकिल विधापति जी की प्रतिमा एवं बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर जिलाधिकारी अरविंद कुमार वर्मा, पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सहित तमाम वरीय अधिकारियों ,समाजसेवियों आदि ने माल्यार्पण किया जिलधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा एवं वरीय अधिकारियों ने मुख्य समारोह स्थल पर केक काटकर एवं गुब्बारा गुच्छ उड़ाकर समारोह के कार्यक्रम का शानदार आगाज किया। वॉटसन स्कूल के प्रांगण में आयोजित जिला स्थापना दिवस के मुख्य समारोह के लिए भव्य पंडाल का निर्माण किया गया और विभिन्न विभागों के कुल 32 स्टॉल लगाए गए।विकास मेला में विभिन्न विभागों द्वारा सरकार की कल्याणकारी योजनाओं सहित विकास कार्यो को प्रदर्शित किया गया।आपदा प्रबंधन विभाग के स्टॉल पर एसडीआरएफ की टीम ने मॉक ड्रील द्वारा विभिन्न आपदाओं से बचाव की जानकारी दी गई,वही काफी संख्या में आपदा से बचाव से संबधित पुस्तकें, फोल्डर,पम्पलेट आदि का वितरण किया गया।परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर लोगो से शपथ पत्र भरवाया गया। कुश्ती, बैडमिंटन, वॉलीबॉल, कबड्डी आदि खेल प्रतियोगिता के का भी अयोजन किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने अपनी कला से सभी को प्रभावित किया। इसके अतिरिक्त लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान, जिला आपूर्ति कार्यालय, आईसीडीएस, जिला कल्याण कार्यालय, स्वास्थ्य विभाग, परिवहन विभाग, जिला आपदा प्रबंधन कोषांग, सामाजिक सुरक्षा कोषांग, विद्युत विभाग, गव्य विकास, मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम, साक्षरता अभियान, जिला पंचायत शाखा, जिला योजना शाखा, सहकारिता, उद्यान एवं कृषि विभाग के स्टाल शामिल हैं। इतना ही नहीं मशरूम के क्षेत्र में नवाचार आधारित फूड स्टॉल भी लगाए गए थे। इन सभी स्टॉल का जिलाधिकारी द्वारा बारी बारी निरीक्षण किया गया और ऊलब्धियों की जानकारी ली गई।दिन के कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों से आए हुए बच्चों ने भी अपनी कला का परिचय देते हुए दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जिला उद्यान विभाग की ओर से लगाए गए स्टाल पर जिला पदाधिकारी मधुबनी के द्वारा उद्यान निदेशालय के द्वारा क्रियान्वित योजना अंतर्गत दो किसानो को क्रमशः चेक और चाभी दिया गया। प्रमिला देवी पति जीवछ महतो ग्राम-पटवारा,पंचायत-पटवारा द. प्रखण्ड-राजनगर को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत मशरूम हट निर्माण किए जाने के पश्चात मो.72,850 रुपये का भुगतान प्रतीक चेक के माध्यम से किया गया है। बागवानी यंत्र योजना के तहत लाभुक किसान श्री जयदीप कुमार , ग्राम-शिवीपट्टी प्रखण्ड- राजनगर को छोटा ट्रैक्टर की चाभी दे कर लाभान्वित किया गया। उक्त अवसर पर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार, डीडीसी दिपेश कुमार, एडीएम शैलेश कुमार, नगर आयुक्त अनिल चौधरी, एडीएम आपदा संतोष कुमार, एसडीओ अश्वनी कुमार, डीपीआरओ परिमल कुमार सहित सभी अधिकारी एवम काफी संख्या में बच्चे, महिलाएं एवं आमजन उपस्थित थे।

स्प्लानेड-सियालदह के बीच सुरंग का कार्य लगभग समाप्त

- 2025 के आरंभ में शुरू हो सकती है सेवा
- अब लाइनों को बिछाने का काम होगा शुरू

कोलकाता : हावड़ा मैदान से एस्प्लेनेड तक और सियालदह से साल्ट लेक सेक्टर पांच तक मेट्रो चल रही है। एस्प्लेनेड से सियालदह सुरंग से जुड़कर हावड़ा मैदान से सीधे सेक्टर 5 तक पहुंचा जा सकता है। लेकिन इस हिस्से का काम कई दिनों से रुका हुआ था। बहुबाजार में आपदाओं के कारण मेट्रो का काम बार-बार रुका है। आखिरकार, एस्प्लेनेड और सियालदह के बीच सुरंग लगभग पूरी हो गई है। वहीं, लाइन का काम जारी रहेगा। इस खंड पर सेवा, जो जटिलताओं के कारण रुकी हुई है, जल्द ही फिर से शुरू होगी, मेट्रो रेल प्राधिकरण आशावादी है। उनमें से कुछ के मुताबिक, यह सेवा अगले साल की शुरुआत तक लॉन्च हो सकती है।

कोलकाता मेट्रो के महाप्रबंधक पी उदय रेड्डी, केएमआरसीएल के प्रबंध निदेशक अनुज मित्तल ने मंगलवार को मेट्रो कार्यों का दौरा किया। काम की प्रगति देखकर मेट्रो अधिकारी खुश हैं। सूत्रों के मुताबिक ग्रीन लाइन के इस हिस्से का काम अगले साल यानी 2025 की शुरुआत में पूरा कर सेवा शुरू करना संभव होगा।

हावड़ा मैदान से सेक्टर पांच तक मेट्रो सेवा का जो हिस्सा भूमिगत होकर गुजरेगा उसमें दो सुरंगें हैं। इनमें ईस्ट फेसिंग यानी सेक्टर पांच टनल का काम काफी पहले पूरा हो चुका है। उस सुरंग से अक्सर मेट्रो की खाली रेक यात्रा करती हैं। लेकिन पश्चिम की ओर सुरंग खोदते समय एक झटका लगा। एस्प्लेनेड से सियालदह की ओर सुरंग काटते समय बहु बाजार के पास एक समस्या आई। अगस्त 2019 में बहुबाजार इलाके में टनल कटिंग मशीन से मिट्टी काटने के दौरान धंसान हो गया था। काम जल्दी बंद करना पड़ा था। निर्माणाधीन सुरंग की लंबाई 40 मीटर है। मई और अक्टूबर 2022 में, ऑपरेशन के दौरान अनुभाग को रुक-रुक कर क्षति हुई। सुरंग में पानी रिसता था। बार-बार बाधित होने के कारण सियालदह और एस्प्लेनेड के बीच सेवा कई दिनों तक भी संचालित नहीं हो पाई है। बाद में, मेट्रो रेल अधिकारियों ने पर्याप्त सुरक्षा और उन्नत उपकरणों और प्रौद्योगिकी का उपयोग करके क्षतिग्रस्त खंड पर काम करना शुरू कर दिया। वह काम पूरा होने के बाद, वे सेवा शुरू करने की दिशा में कुछ कदम उठाया हैं।

बंगाल में निवेश के प्रति सभी की रुचि से मैं प्रभावित हूं : ममता

कोलकाता : आगामी 'बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट 2025' के अवसर पर 'सौजन्या' सभागार में कोलकाता में उपस्थित देश के प्रतिष्ठित उद्योगपतियों, विभिन्न चैम्बर्स के नेताओं और विभिन्न देशों के राजनयिकों के साथ एक अत्यंत सार्थक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा मैं बंगाल में निवेश के प्रति सभी की रुचि से प्रभावित हूं। चर्चा में मनोरंजन और खेल जगत की हस्तियां भी शामिल हुईं। परिणामस्वरूप, बंगाल की अपनी 'रचनात्मक अर्थव्यवस्था' पर भी सकारात्मक चर्चा हुई।जो भविष्य में कारगर साबित होगी।

मंगला हाट में वेबसाइट करने के लिए किसी को पैसे देने की जरूरत नहीं है मंत्री अरूप राय

हावड़ा : हावड़ा मंगलाहाट ट्रेडर्स एसोसिएशन (सेंट्रल) ने शरत सदन में पुनर्मिलन उत्सव आयोजित किया। इस कार्यक्रम में मंगलाहाट के व्यवसायी शामिल हुए। वहीं राज्य के खाद्य प्रसंस्करण विभाग मंत्री अरूप राय पहुंचे। इस दिन उन्होंने बाजार को लेकर चिंता जाहिर की. उन्होंने कहा, 'नौकरी का बाजार खराब है। बहुत से लोग फुटपाथ पर कब्जा कर रहे हैं और व्यापार कर रहे हैं। लेकिन पुनर्वास के बिना उन्हें बेदखल नहीं किया जाना चाहिए।'यह मानवतावादी सरकार का फैसला है। उन्होंने यह भी कहा, छोटे कारोबारियों को किसी को पैसा नहीं देना चाहिए। अगर कोई उनकी पार्टी के नाम पर पैसा मांगता है तो भी उन्हें पैसा नहीं देना चाहिए. अगर कोई आप पर दबाव बना रहा है तो उसकी शिकायत करें या पुलिस को बताएं." हावड़ा नगर निगम के अध्यक्ष सुजाय चक्रवर्ती ने कहा, मंगलाहाट की एक परंपरा है.यहां इतने सारे लोग एक साथ खरीदारी करते हैं। हम चाहते हैं कि यह हाट वैसे ही चलता रहे जैसे किसी को कोई असुविधा न हो। इस मिलन उत्सव के माध्यम से स्वयं। संस्था के अध्यक्ष मलय दत्त हाट में कारोबार चलाने के लिए पुलिस और प्रशासन से सहयोग चाहने की बात कही। संपादक राजकुमार साहा ने कहा, इस मिलन उत्सव के जरिये व्यवसायी अपनी बातों को कहना चाहते हैं ताकि उन्हें कोई समस्या हो तो उसका निदान किया जा सके।

बिहार एवं मिथिला के प्रमुख पर्यटन स्थल मिथिला हाट, झंझारपुर में कल देर शाम पहुँची, माननीय वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री, भारत सरकार श्रीमती निर्मला सीतारमण। यहां उन्हें मिथिला की कला-संस्कृति, परंपरा और खानपान से परिचित कराया गया।

महज 12 साल की उम्र में लड़कियां बन रही मां

दक्षिण 24 परगना में भी बढ़ रहा है कम उम्र में गर्भवती होने का चलन

- स्वास्थ्य अधिकारी इस बात से चिंतित
- कई जिलों में नाबालिग बच्चों के जन्म की दर बढ़ी

कुलतली/ कोलकाता : उम्र केवल बारह वर्ष! गुड़िया से खेलने की इस उम्र में कुलतली की एक नाबालिग लड़की गर्भवती होकर अस्पताल पहुंची। विभिन्न शारीरिक जटिलताओं के कारण उन्हें ग्रामीण अस्पताल से बारुईपुर अस्पताल भेजा गया था। वहां उसने एक बच्चे को जन्म दिया। इस घटना में कुछ महीने पहले अस्पताल की ओर से पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई थी। पुलिस को पता चला कि नाबालिग की शादी कुछ महीने पहले पड़ोस के 20 साल के युवक से हुई थी।

कई स्वास्थ्य अधिकारी इस बात से चिंतित हैं कि राज्य के कई जिलों में नाबालिग बच्चों के जन्म की दर कम होने के बजाय बढ़ती जा रही है। दक्षिण 24 परगना के सुदूर इलाकों में काम करने वाले डॉक्टर भी इस बात से सहमत हैं कि कन्याश्री या रूपश्री परियोजना के बावजूद इस जिले में भी नाबालिग बच्चों के जन्म की दर में कमी नहीं आई है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अस्पतालों में लगभग हर दिन 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों का प्रसव हो रहा है। कम उम्र में गर्भवती होने से शारीरिक जटिलताएं हो रही हैं। कई मामलों में गर्भपात भी हो रहा है। खून में हीमोग्लोबिन का स्तर कम होने से कई लोग गंभीर रूप से बीमार हो रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, कुलतली ब्लॉक ग्रामीण अस्पताल में पिछले वित्तीय वर्ष में 20 वर्ष से कम उम्र की 854 किशोर माताओं को दिया गया है। जो अस्पताल में आने वाली कुल गर्भावस्थाओं का 18 प्रतिशत है। पिछले कुछ वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि 20 साल से कम उम्र में गर्भधारण की संख्या लगभग 20 प्रतिशत है। इनमें से कई की उम्र 18 साल से कम है। डॉक्टरों का दावा है कि जिले के सुदूरवर्ती प्रखंडों में हर जगह स्थिति लगभग एक जैसी है। उनका कहना है कि इस मामले में आधिकारिक आंकड़े चौंकाने वाले हैं। इसमें से एक हिस्से का इलाज स्थानीय निजी अस्पतालों या चिकित्सा केंद्रों में चल रहा है। वह गणना हमेशा सामने नहीं आती। डॉक्टरों का कहना है कि इसके पीछे की वजह अज्ञानता है। विभिन्न कार्यक्रमों और कानूनी उपायों के बावजूद भी कम उम्र की लड़कियों की शादी करने की प्रवृत्ति को नहीं रोका जा सकता है। हाल ही में नाबालिगों के बीच अनियंत्रित यौन संबंध की घटनाएं बढ़ी हैं। परिणामस्वरूप स्थिति और अधिक जटिल होती जा रही है। 15-16 साल की लड़कियां शादी से पहले ही प्रेग्नेंट हो रही हैं! इसके चलते उनकी जल्द शादी कराई जा रही है। ऐसी ही एक घटना हाल ही में कुलतली में सामने आई है। स्कूल में अव्वल आने वाली छात्रा फिलहाल डिलीवरी का इंतजार कर रही है।

डॉक्टरों का कहना है कि शारीरिक जटिलताओं से बचने के लिए लड़कियों को 20 साल की उम्र से पहले मां नहीं बनना चाहिए। प्रखंड प्रशासन के अनुसार कम उम्र में शादी की खबर मिलने पर कदम उठाया जाता है। जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं। युवा जोड़ों के साथ बैठकें, परामर्श। उन्हें गर्भनिरोधक के विभिन्न तरीकों की जानकारी दी जा रही है। लेकिन परिणाम कम है।

जिले के एक ग्रामीण अस्पताल में परामर्श के प्रभारी एक चिकित्साकर्मी ने कहा कि कम उम्र में शादी करने की प्रवृत्ति है। शादी के तुरंत बाद बच्चे पैदा करने की प्रवृत्ति भी काम करती है। घर की मां-मौसियां ही दबाव डालती हैं। हाल ही में कई युवा लड़कों, यहां तक कि नाबालिगों की भी शादी हो रही है। मातृ शारीरिक जटिलताओं या गर्भनिरोधक के महत्व के बारे में बात करें।

92 लाख में कचौड़ी की दुकान, प्रयागराज महाकुंभ में सज रही टेंट सिटी

प्रयागराज : उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 14 जनवरी से महाकुंभ की शुरु आत हो रही है। इससे पहले प्रशासनिक और सरकार की तैयारियों को पूरा कराया जा रहा है। देश-दुनिया से करीब 40 करोड़ लोगों के महाकुंभ मेला में पहुंचने की उम्मीद है। मेले में आने वाले लोगों की संख्या को देखते हुए तमाम व्यवसायी अपनी दुकान वहां लगाने की जुगत में हैं। ऐसे में मेला प्रशासन की ओर से भी दुकानों के आवंटन को लेकर स्थिति साफ होती दिख रही है। 30 x 30 फीट के दुकान के किराए को जानकर आप हैरान हो जाएंगे। एक प्लेट कचौड़ी की कीमत भले ही 30 रुपये हो, लेकिन करीब 900 स्क्वायर फीट की दुकान का किराया 92 लाख रु पये निर्धारित किया गया है।

13 जनवरी से शुरू होगा महाकुंभ - प्रयागराज महाकुंभ का आयोजन 13 जनवरी 2025 से शुरू होगा। इसको लेकर जमीनों का आवंटन शुरू हुआ है। यहां पर दुकान लगाने के लिए आवंटित होने वाली जमीन की कीमत कई-कई लाख में मिल रही है। प्राइम लोकेशन पर जमीन के किराए की दर काफी महंगी है। कचौड़ी की दुकान में बगल में लड्डू की दुकान के लिए जमीन का आवंटन किया गया है। इसका किराया 75 लाख रुपये रखा गया था। महाकुंभ में लगनी वाली दुकानों पर महाकुंभ के डेढ़ महीने ही भीड़ रहेगी।

भव्य महाकुंभ की है तैयारी- प्रयागराज महाकुंभ को इस वर्ष दिव्य और भव्य बनाने की योजना तैयार की गई है। 4000 हेक्टेयर यानी 15,840 बीघा क्षेत्र में मेला क्षेत्र को बनाया जाएगा। यहां पर पहली बार 13 किलोमीटर लंबा रिवर फ्रंट बन रहा है। इसमें 40 करोड़ लोगों के आने की संभावना है। भव्य आयोजन के कमाई की अपार संभावनाओं को देखते हुए हर व्यापारी यहां दुकान लगाना चाहता है। मेला क्षेत्र में निर्माण के लिए जगह-जगह जेसीबी से जमीन समतल की जा रही है। गंगा पर पांटून पुल (पीपा पुल) बन रहे हैं।

सजने लगी हैं दुकानें- मेला क्षेत्र में दुकान भी सजने लगे हैं। दुकानों में अब लोगों की भीड़ भी आने लगी है। संगम किनारे निर्धारित दुकानों के किराए सबसे अधिक हैं। कचौरी और लड्डू की दुकानें सबसे महंगी हैं। परेड ग्राउंड में महाराज कचौड़ी एवं प्रसाद भोग के नाम से एक दुकान है। 30 x 30 वर्गफीट की इस दुकान का टेंडर 92 लाख रु पए में फाइनल हुआ है। इस दुकान को पवन कुमार मिश्रा ने लिया है। वे कहते हैं कि कचौड़ी और लड्डू बनाने का काम पहले से करते रहे हैं, लेकिन कुंभ में पहली बार दुकान लगाने के बारे में सोचा।

पवन मिश्रा ने कहा कि मेला प्रशासन हमें अपनी दुकान से करीब 200 मीटर दूर जगह देगा। वह भी रोड पर स्थित है। 2 महीने हम वहीं दुकान लगाएंगे। उसके बाद वापस इस जगह पर आ जाएंगे। अभी बताया जा रहा है कि जिस जगह हमारी दुकान है, वहां विश्व हिंदू परिषद को जगह दी गई है। पवन कहते हैं कि भले किराया अधिक लगा हो, लेकिन सामग्रियों के दाम नहीं बढ़ाएंगे।

महाकुंभ 2025 के लिए शुरू हुआ है दुकानों की जमीन का आवंटन

परेड ग्राउंड में महाराज कचौड़ी एवं प्रसाद भोग दुकान सबसे महंगी

लड्डू दुकान के लिए 75 लाख रु पये किराया, प्रशासन ने की तैयारी

76 लाख में लड्डू की दुकान- लेटे हुए हनुमान मंदिर पर इस बार लड्डू की दुकानों में इजाफा हुआ है। जय बजरंग भोग नाम की एक दुकान अब यहां पर खुली है। इस लड्डू की दुकान के लिए टेंडर 76 लाख रु पये में खुला। वहीं, परेड ग्राउंड में ही महाकाल प्रसाद भोग एवं कचौड़ी भंडार दुकान 75 लाख रु पये में बकाही है। झूंसी साइड और मेला क्षेत्र के अंदर भी दुकानों की बिक्री हो रही है। वहां भी रेट हाई है। गंगा की तराई में कुंभ के दौरान लगने वाली दुकानों का रेट अन्य जगहों के मुकाबले कम है।

10 हजार दुकानों का टारगेट- महाकुंभ के आयोजन को देखते हुए प्रशासन ने 10 हजार दुकानें बेचने का टारगेट रखा गया है। 2019 के कुंभ में कुल 5721 स्टॉल के आवंटन आए थे। 2012 के महाकुंभ में यह संख्या करीब 2000 हजार थी। उस समय ऑफलाइन टेंडर के जरिए आवंटन होता था। 2019 से टेंडर प्रक्रिया ऑनलाइन कर दी गई। 13 नवंबर से दुकानों के लिए टेंडर प्रक्रिया चल रही है। अब तक 2000 से अधिक दुकानों का टेंडर हो चुका है। गंगा तराई में लगने वाली दुकानों का किराया भी तीन से 5 लाख रुपये तक पहुंच रहा है।

48वीं इंटरनेशनल कोलकाता बुक फेयर का थीम कंट्री जर्मनी

कोलकाता (संघमित्रा सक्सेना) : 48 वीं इंटरनेशनल कोलकाता बुक फेयर का थीम पार्क होटल में घोषित किया गया। इस बार कोलकाता पुस्तक मेला का 'फोकल थीम कंट्री जर्मनी' हैं। बुक फेयर की शुरु आत 28 जनवरी से होगी, कोलकाता पुस्तक मेला 9 फरवरी तक चलेगी। बोईमेला प्रांगण करुणामई साल्टलेक में 48वीं इंटरनेशनल पुस्तक मेला का शुभारंभ हो रहा हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की करकमलों से इस मेला का उद्घाटन होगा। जानकारी के अनुसार 1976 में कोलकाता बुक फेयर की शुरु आत, जर्मनी की आइकॉनिक

फ्रैंकफर्ट बुक फेयर से अनुप्राणित होकर हुआ था। बता दे कि फ्रैंकफर्ट बुक फेयर के प्रतिनिधि इंटरनेशनल कोलकाता बुक फेयर में शामिल भी हुए थे। सन 1984 और 2006 में इंडिया फ्रैंकफर्ट बुक फेयर की थीम कंट्री थी। ग्रेट ब्रिटेन, यूएसए, फ्रांस, इटली, स्पेन, पेरू, अर्जेंटीना, लेटिन अमेरिका इस बार कोलकाता बुक फेयर में शामिल हो रही हैं। कोलकाता लिटरेचर फेस्टिवल इस बार बोईमेला की मुख्य आकर्षण हैं। साइमन क्लेनपास (वाइस कंसोल ऑफ जर्मनी), एस्ट्रीड वेज(डायरेक्टर ऑफ गोएथे इंस्टीट्यूट) सहित कई विशिष्ट लोग कोलकाता बुक फेयर थीम लॉन्च कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएं। इसके साथ त्रिदेव कुमार चटर्जी (प्रेसिडेंट), राजू बर्मन (ज्वाइंट सेक्रेटरी ऑफ गिल्ड), सुधांशु शेखर दे(जनरल सेक्रेटरी), तापस साहा (ट्रेजरार ऑफ गिल्ड) कार्यक्रम में उपस्थित होकर, समस्त औपचारिक प्रथा को संपन्न किया।

3 बच्चों की मां का गजब 'धंधा', गर्भ में पालती है अनजान लोगों का भ्रूण

नई दिल्ली : मां बनने का सपना यूं तो हर शादीशुदा महिला या कपल देखता है. ज्यादातर लोगों की इच्छाएं पूरी भी हो जाती हैं. लेकिन कुछ लोग ऐसे होते हैं, जिनका ये सपना पूरा नहीं हो पाता है. ऐसे में मां-बाप बनने के लिए लोग बेतहाशा पैसे खर्च करते हैं, डॉक्टरों को दिखाते हैं. तमाम तरह का मेडिकल ट्रीटमेंट लेते हैं. बावजूद इसके ऊनकी गोद सूनी रहती है. कभी किसी महिला में या फिर उसके पति में कोई खामी रह जाती है, जिससे मां बन पाना मुश्किल होता है. इसके अलावा भी कई अलग-अलग मेडिकल वजह हो सकते हैं. ऐसे में लोग सरोगेसी का सहारा लेते हैं. लेकिन सरोगेसी से बच्चा पैदा करने वाली महिलाओं को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है. आज हम आपको एक ऐसी ही महिला से मिलवाने जा रहे हैं, जिसका नाम येसेनिया लैटोरे है. यूं तो येसेनिया 3 बच्चों की मां हैं, लेकिन वे कई बार सरोगेट मदर भी बन चुकी हैं. वे उन अनजान महिलाओं को मां बनने का सुख देती हैं, जो खुद बच्चे पैदा नहीं कर सकतीं. इसके लिए वे अनजान मर्दों के भ्रूण को 9 महीने तक अपने गर्भ में पालती हैं. इसके बाद बच्चा पैदा होते ही ऊनके असली पैरेंट्स को सौंप देती हैं. बदले में उन्हें गर्भावस्था के दौरान हर घंटे का लगभग 300 रुए हो मिलता है. लेकिन वो इस बात से खुश हैं कि उनकी वजह से किसी दूसरे की गोद में बच्चा खिलखिलाता है. हालांकि, लोग कई बार येसेनिया पर तंज कसते हैं और इसकी तुलना 'धंधे' यानी बिजनेस से करते हैं. लोगों को लगता है कि चंद पैसों में येसेनिया बच्चों को बेच देती हैं. जबकि येसेनिया ऐसा नहीं मानतीं. हाल ही में येसेनिया ने सरोगेट बनने के पीछे की असली वजह को दुनिया के सामने बताया. संवाददाताओं से बातचीत करते हुए येसेनिया ने कहा कि मुझ पर अपने बच्चों को बेचने का आरोप लगाया गया. जबकि मैं सिर्फ सरोगेसी से मां बनती हूं. मुझे बदले में लगभग 42 लाख रुपए मिलते हैं. लेकिन लोगों को जैसे ही इस बारे में पता चला, ऑनलाइन इतने ज्यादा लोगों ने नफरत से भरी बातें की, जिससे मैं दुखी हो गई. बता दें कि येसेनिया के स्वयं तीन लड़के हैं, टायसन (6 वर्ष), ट्रे (5 वर्ष) और तामिर (8 सप्ताह का). उन्होंने बताया कि मेरा गर्भपात हो गया और इसने मेरी जिंदगी हमेशा के लिए बदल दी. इसके चलते मुझे सरोगेसी की ओर रुख करना पड़ा, ताकि मैं अन्य लोगों को बच्चे पैदा करने में मदद कर सकूं. अक्सर ये महिलाओं के एग्स को अपने गर्भ में पालती हैं. येसेनिया कहा कि मैंने अपने बच्चों को भी बताया कि मेरे गर्भ में एक बच्चा है, लेकिन वो मेरा नहीं है. बाद में मैंने उन्हें गर्भ में पल रहे शिशु के माता-पिता से भी मिलवाया.

अमेरिका की रहने वाली तीन बच्चों की मां येसेनिया लैटोरे सरोगेसी से दूसरों का घर आबाद कर रही हैं

येसेनिया जब पहली बार सरोगेसी से मां बनीं, तो इस बारे में उन्होंने ऑनलाइन बताने का फैसला किया, ताकि इस अनुभव से गुजर रहे अन्य लोगों को मदद मिल सके. लेकिन लोगों ने इसे बहुत गलत तरीके से लिया और भद्दे-भद्दे कमेंट्स करने लगे.कई लोग दावा करते हैं कि उसने आसानी से पैसे कमाने के लिए 'अपना शरीर किराए पर दे दिया'. लेकिन उसने खुलासा किया कि उसने ऐसा अमीर बनने के लिए नहीं किया, खासकर तब जब वह प्रति घंटे सिर्फ 3 पाउंड (लगभग 300 रुपए) कमाती थी. हालांकि, लोगों को ऐसा लगता था कि मुझे सरोगेट मदर बनने के बदले 1 करोड़ रुपये मिलते होंगे, लेकिन ऐसा नहीं है, कुल 40 लाख तक ही मिलते हैं. साथ ही 5-10 लाख खुद का खयाल रखने का मिल जाता है. येसेनिया ने कहा कि लोग जो भी सोचना है, सोचें, लेकिन मुझे इस बात में खुशी होती है, जब मैं सरोगेसी से जन्में बच्चों को ऊनके मां-बाप को सौंपती हूं और उनकी खुशी देखती हूं।

स्वत्वाधिकारी **'बात हिन्दुस्तान की'** (पाक्षिक) पत्रिका के लिए मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती सोनी कुमारी झा, 23 रामकुमार गांगुली लेन, 2रा तल्ला कमरा नं. 203, पोस्ट- बी. गार्डेन, शिवपुर, हावड़ा-711103 (प. बंगाल) फोन न.: 8902221434 से प्रकाशित एवं चपला मुद्रण, 2/3/1, रामजी हजरा लेन, हावड़ा-711101 से मुद्रित, सम्पादक-**उमेश तिवारी**, फोन- 8420899919 पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी, ईमेल/वेबसाईट-www.baathindustanki@gmail.com

(Owner, Printer & Publisher of 'Baat Hindustan Ki' : Smt. Soni kumari Jha, 23, Ramkumar Ganguly Lane, 2nd floor, room no-203, PO : B.Garden, Shibpur, Howrah-711103, Mo. 9798848926 & Printed from CHAPLA MUDRAN 2/3/1 Ramji Hazra Lane, Shibpur, Howrah-711101, Editor : **Umesh Tiwari** Mo. 8420899919, Email/Website : www.baathindustanki@gmail.com)